vinetur

2026 में यूरोपीय वाइन उत्पादन 4% घटेगा : कोपा-कोगेका का अनुमान

133.6 मिलियन हेक्टोलिटर के अनुमान से यूरोपीय वाइन उत्पादन पांच साल के औसत से 8% नीचे रहेगा ; वैश्विक खपत 30 वर्षों के निचले स्तर पर है

सोमवार, 16 नवंबर 2026



कोपा-कोगेका ने सोमवार, 16 नवंबर को पेश किए गए नए अनुमानों में कहा कि 2026 में यूरोप का वाइन उत्पादन फिर घटने की आशंका है। उत्पादक गर्मी, सूखे और कमजोर मांग के एक और साल का सामना कर रहे हैं।

यूरोपीय संघ भर के कृषि संगठनों और सहकारी समितियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इस कृषि लॉबी समूह ने कहा कि 2026/27 विपणन वर्ष में वाइन और मस्ट का उत्पादन 133.6 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है। यह 2025 की फसल से 4% और पिछले पांच विपणन वर्षों के औसत से 8% कम होगा।

ये आंकड़े यूरोपीय वाइन उत्पादन में लगातार और धीरे-धीरे हो रही गिरावट की ओर इशारा करते हैं। कोपा-कोगेका के अनुसार, इसके पीछे जलवायु में बढ़ती अनिश्चितता और बाजार में गहरे बदलाव हैं। इसी बीच उत्पादकों को घटती खपत, व्यापार की कम होती मात्रा और कीमतों पर दबाव का सामना करना पड़ रहा है, खासकर रेड और रोज़े वाइन में।

इटली, स्पेन और फ्रांस के यूरोपीय संघ के प्रमुख उत्पादक बने रहने का अनुमान है। इन तीनों का संयुक्त रूप से ईयू के वाइन और मस्ट उत्पादन में 82% हिस्सा होगा। अनुमानित हिस्सेदारी इटली की 30%, स्पेन की 27% और फ्रांस की 25% है।

इटली के दुनिया का सबसे बड़ा वाइन उत्पादक बने रहने की उम्मीद है। वहां उत्पादन 41.1 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो पिछली फसल से 7.6% और पांच साल के औसत से 10% कम होगा। कोपा-कोगेका ने कहा कि दक्षिणी इटली के क्षेत्र सूखे और लू से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां मध्य और उत्तरी क्षेत्रों की तुलना में गिरावट अधिक रही। सिसिली और अब्रुत्सो उन क्षेत्रों में शामिल थे जहां सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

फ्रांस में उत्पादन 33.8 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो पिछली फसल से 2% और पिछले पांच अभियानों के औसत से 15% कम होगा। कोपा-कोगेका ने कहा कि लगातार सूखा, गर्मी का दबाव और अंगूर के बागों का घटता रकबा उत्पादन पर असर डाल रहे हैं। समूह ने क्षेत्रीय स्तर पर बड़े अंतर की ओर भी इशारा किया : कुछ वाइन क्षेत्रों को भारी नुकसान हुआ, जबकि अन्य को गर्मियों के आखिर में हुई बारिश से फायदा मिला और वहां पैदावार संतोषजनक रही। फ्रांस अंगूर के बाग हटाने का एक बड़ा कार्यक्रम भी जारी रखे हुए है। 2026 में 20,000 हेक्टेयर में बेलें उखाड़े जाने का कार्यक्रम है ; 2024 से अब तक 40,000 हेक्टेयर में ऐसा किया जा चुका है।

स्पेन उन कुछ बड़े उत्पादकों में है जहां उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। 2026 में वहां उत्पादन 34.5 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो 2025/26 अभियान से 3% अधिक होगा। कोपा-कोगेका ने कहा कि ऊंचे तापमान के कारण जल तनाव बढ़ा और अंगूरों का वजन घटा, लेकिन उनकी गुणवत्ता ऊंची रहने की उम्मीद है। इसके बावजूद घरेलू मांग में गिरावट और कमजोर निर्यात बाजार पर दबाव डाल रहे हैं। समूह के अनुसार, स्पेन में वाइन की अनुमानित खपत सालाना आधार पर 8% घटी। कीमतों में गिरावट, खासकर रेड वाइन की, कई अंगूर बागों की लाभप्रदता को नुकसान पहुंचा रही है।

अन्य उत्पादकों में, जर्मनी की फसल लगभग 7 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो 2025 से 3.3% कम है। कोपा-कोगेका ने कहा कि 2026 की तीसरी तिमाही में जर्मनी में वाइन की खपत मात्रा और मूल्य—दोनों के लिहाज से 10% घटी। पुर्तगाल में उत्पादन लगभग 6.6 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो 12% अधिक है। रोमानिया में सबसे बड़ी बढ़तों में से एक दर्ज होने की उम्मीद है : वहां उत्पादन 4.5 मिलियन हेक्टोलिटर, यानी 2025 की फसल से 32% अधिक रहने का अनुमान है।

कोपा-कोगेका ने कहा कि उत्पादन के अलावा, मांग के रुझान उद्योग के लिए एक बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं। वैश्विक वाइन खपत का अनुमान 221 मिलियन हेक्टोलिटर है, जो 30 से अधिक वर्षों का सबसे निचला स्तर है। समूह के मुताबिक, 1996 से 2007 के अधिकांश समय में वाइन की खपत बढ़ी, फिर 2017 तक अपेक्षाकृत स्थिर रही। इसके बाद लंबी गिरावट शुरू हुई, जो 2022 के बाद यूरोपीय संघ और प्रमुख गैर-ईयू बाजारों—दोनों में तेज हो गई।

कोपा-कोगेका के अनुसार, 2000 में वैश्विक वाइन खपत में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी लगभग 60% थी। अब यह करीब

48% है। समूह ने कहा कि मांग में गिरावट का असर पूरी आपूर्ति शृंखला पर सीधे पड़ रहा है : बिक्री की मात्रा घट रही है और कीमतें नीचे जा रही हैं। बेसिक वाइन सबसे ज्यादा प्रभावित श्रेणियों में रही हैं। नए बाजारों में अवसर उभरते रहने के बावजूद, कोपा-कोगेका के अनुसार वहां की वृद्धि उन देशों में कमजोर मांग की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं रही, जहां परंपरागत रूप से सबसे अधिक वाइन की खपत होती है।

समूह की ओर से पेश किए गए व्यापार के आंकड़े भी इसी दबाव को दर्शाते हैं। सितंबर 2025 से अगस्त 2026 तक के 12 महीनों में गैर-ईयू देशों को यूरोपीय संघ का वाइन निर्यात 15.4 अरब यूरो रहा, जो मूल्य के लिहाज से 6.8% कम है। निर्यात की मात्रा 3.3% घटकर 27.5 मिलियन हेक्टोलिटर रह गई।

वाइन की ज्यादातर श्रेणियों में गिरावट आई। मूल संरक्षित पदनाम वाली वाइन का निर्यात 7.6%, किस्म के नाम वाली वाइन का 6.7% और भौगोलिक संकेत संरक्षित वाली वाइन का 4.9% घटा। भौगोलिक संकेत के बिना वाइन का निर्यात मोटे तौर पर स्थिर रहा। थोक वाइन और बैग-इन-बॉक्स ही बढ़ने वाले खंड रहे, जिनमें क्रमश: 5% और 3.4% की वृद्धि हुई। बोतलबंद वाइन का निर्यात 7.5% और स्पार्कलिंग वाइन का निर्यात 6.2% घटा।

प्रमुख गंतव्यों में, अमेरिका को भेजी जाने वाली खेप 15.3% घटी। कनाडा को निर्यात 11%, स्विट्जरलैंड को 9.2% और ब्रिटेन को 3.9% घटा। रूस और हांगकांग उन कुछ बाजारों में शामिल थे जहां वृद्धि दर्ज हुई ; वहां निर्यात क्रमश: 17.5% और 10.9% बढ़ा। ईयू के भीतर व्यापार भी कमजोर हुआ : मूल्य 9.8% और मात्रा 13.4% घटी, जबकि औसत इकाई मूल्य बढ़ता रहा।

कोपा-कोगेका के वाइन कार्यदल के अध्यक्ष लुका रिगोटी ने कहा कि ये आंकड़े ऐसे क्षेत्र की स्थिति दिखाते हैं जिस पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव है। उनके मुताबिक, यूरोपीय वाइन उत्पादक लगातार अधिक अप्रत्याशित मौसम, संघर्षों और भू-राजनीतिक तनावों से जुड़ी ऊंची उत्पादन लागत, वाइन की खपत में संरचनात्मक गिरावट और व्यापार तथा बाजार तक पहुंच की नई बाधाओं से जूझ रहे हैं।

रिगोटी ने कहा कि उद्योग ने लचीलापन और अनुकूलन की क्षमता दिखाई है, लेकिन बदलती जलवायु और कारोबारी परिस्थितियों के अनुरूप ढलने के लिए उत्पादकों को प्रभावी बाजार प्रबंधन साधनों और पर्याप्त समर्थन की जरूरत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र को नवाचार, टिकाऊपन और गुणवत्ता में निवेश जारी रखना चाहिए, साथ ही अपने उत्पादों की विविधता बढ़ानी चाहिए, नए बाजार तलाशने चाहिए और उपभोक्ताओं—खासकर युवा पीढ़ियों—से रिश्ते फिर मजबूत करने चाहिए।

बैठक में प्रतिनिधियों ने यूरोपीय संघ की साझा कृषि नीति के भविष्य और क्षेत्र-विशिष्ट सहायता उपायों पर भी चर्चा की। इटली के Legacoop Agroalimentare के प्रतिभागियों के अनुसार, बातचीत में वाइन बजट का आकार, सह-वित्तपोषण के नियम, सहायता उपायों के लिए पात्रता और प्राकृतिक रूप से कम अल्कोहल वाली वाइन का विकास शामिल था।